कि ध्वनियों को एक निश्चित क्रम में संयोजित करने पर ही उनकी अर्थवत्ता होती है।

(3.) वाक्य — वाक्य में मुख्यतया शब्द व्यवस्था (शब्द प्रयोग) पर ही ध्यान दिया जाता है।

(4.) अर्थ — भाषा प्रयोग का मूल प्रयोजन अर्थ ग्रहण अथवा सम्प्रेषण ही होता है।

इसी कारण अर्थ को वाणी का पुष्पफल भी कहा गया है। यह भाषा की सबसे बड़ी इकाई है।